[This question paper contains 2 printed pages.]

02.01.2024(M)

आपका अनुक्रमांक .....

Maitreyi College Chanakya Puri New Delhi-110021 LIBRARY

Sr. No. of Question Paper : 5366 **G**

Unique Paper Code : 12057504

Name of the Paper : भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धांत

Name of the Course : B.A. (Hons.) Hindi – DSE

Semester : V

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. नाटक और रंगमंच एक दूसरे के पूरक हैं -विवेचना कीजिए।

अथवा

नाट्यानुभूति और रंगानुभूति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (15)

2. भरतमुनि द्वारा प्रतिपादित रस सिद्धांत का विश्लेषण कीजिए।

P.T.O.

अथवा

नाट्य-प्रस्तुति में निर्देशक के महत्व को स्पष्ट कीजिए। (15)

3. पश्चिमी नाट्यभेद त्रासदी का परिचय दीजिए।

अथवा

'मेलोड्रामा' एवं 'फार्स' का विधागत स्वरूप स्पष्ट कीजिए। (15)

4. रूपक के विभिन्न भेदों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

अथवा

एकांकी के तत्वों का विवेचन कीजिए। (15)

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए: (7.5 + 7.5 = 15)

(क) नाटक की कथावस्तु की विशेषताएँ

(ख) पार्श्व-कर्म

(ग) कामदी

(घ) रेडियो नाटक